अब कहाँ दूसरे के दु:ख से दु:खी होने वाले

(निदा फ़ाज़ली)

पाठ का सार

बाइबिल के सोलोमन

ईसा से 1025 वर्ष पूर्व एक बादशाह थे बाइबिल के सोलोमन, जो कुरआन में सुलेमान कहे गए। वे इंसानों के साथ-साथ पशु-पक्षियों की भाषा भी जानते थे। एक बार सुलेमान अपने दल-बल के साथ एक रास्ते से गुज़र रहे थे, तभी कुछ चींटियों ने घोड़ों की टापों की आवाज़ सुनी, तो डरकर एक-दूसरे से बोलीं— ''आप जल्दी से अपने बिल में चलो, फौज़ आ रही है।'' सुलेमान ने उनकी बातें सुनीं और कहा—''घबराओ नहीं, मैं किसी के लिए मुसीबत नहीं हूँ'' सबके लिए मुहब्बत हूँ।'' यह कहकर वह मंज़िल की ओर बढ़ गए।

सिंधी भाषा के महाकवि शेख अयाज़ ने अपनी आत्मकथा में लिखा है—''एक दिन उनके पिता कुएँ से नहाकर लौटे और खाना खाने बैठे। तभी उन्हें अपनी बाजू पर एक च्योंटा रेंगता हुआ दिखाई पड़ा। वह भोजन छोड़कर उठ गए और उसे उसके स्थान पर छोड़कर आए।''

नूह नामक पैगंबर

बाइबिल और दूसरे पावन ग्रंथों में नूह नामक एक पैगंबर का ज़िक्र मिलता है। एक बार नूह ने एक घायल कुत्ते को दुत्कार दिया। दुत्कार सुनकर कुत्ते ने जवाब दिया—''न मैं अपनी मर्ज़ी से कुत्ता हूँ, न ही तुम अपनी पसंद से इंसान हो। सबको बनाने वाला ईश्वर ही है।'' नूह ने जब उसकी बात सुनी तो बहुत दिनों तक रोते रहे। दुनिया के अस्तित्व में आने का वर्णन विज्ञान और धार्मिक ग्रंथों में अपने-अपने तरीके से मिलता है, परंतु यह सब जानते हैं कि पशु, पक्षी, मानव, नदी, पर्वत, पहाड़, समंदर आदि सभी का इस धरती पर समान अधिकार है।

पहले पूरा संसार एक परिवार के समान था, परंतु अब मानव ने अपनी बुद्धि से बड़ी-बड़ी दीवारें खड़ी कर दी हैं। बढ़ती जनसंख्या ने समंदर को समेट दिया है, पेड़ों को रास्ते से हटा दिया है। फैलते प्रदूषण ने पंछियों को बस्तियों से भगा दिया है तथा वातावरण को सताना शुरू कर दिया है।

लेखक की माँ द्वारा दी गई सीख व ग्वालियर की घटना

लेखक की माँ सदैव कहती थी कि सूरज ढलने के बाद पेड़ों से पत्ते मत तोड़ो, दीया-बाती के वक्त फूलों को मत तोड़ो, दरिया पर जाओ तो उसे सलाम करो तथा कबूतरों व मुर्गे को परेशान मत करो। एक बार लेखक की माँ के हाथ से कबूतर का अंडा गिरकर टूट गया। इस घटना से माँ बहुत दु:खी हुई और इस गुनाह को खुदा से माफ़ कराने के लिए पूरा दिन रोज़ा रखा।

बदलते परिवेश पर लेखक के विचार

लेखक विचार करता है आज सब कुछ बदल गया है। पहले जहाँ समंदर था, दूर-दूर तक घने जंगल थे, वहाँ अब बस्तियाँ बन गई हैं। इन बस्तियों ने अनगिनत परिंदों के घर छीन लिए हैं। घरों में प्रवेश करने के सभी रास्ते बंद कर दिए हैं। अब न कोई सोलोमन है, न नूह और न ही मेरी माँ, जो इन जीवों के दु:ख-दर्द को समझकर उसे अपना दर्द बना सके।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

1. बाइबिल के सोलोमन जिन्हें कुरआन में सुलेमान कहा गया है, ईसा से 1025 वर्ष पूर्व एक बादशाह थे। कहा गया है, वह केवल मानव जाति के ही राजा नहीं थे, सारे छोटे-बड़े पशु-पक्षी के भी हाकिम थे। वह इन सबकी भाषा भी जानते थे। एक दफा सुलेमान अपने लश्कर के साथ एक रास्ते से गुजर रहे थे। रास्ते में कुछ चींटियों ने घोड़ों की टापों की आवाज सुनी तो डरकर एक-दूसरे से कहा, 'आप जल्दी से अपने-अपने बिलों में चलो, फौज आ रही है।' सुलेमान उनकी बातें सुनकर थोड़ी दूर पर रुक गए और चींटियों से बोले, 'घबराओ नहीं, सुलेमान को खुदा ने सबका रखवाला बनाया है। मैं किसी के लिए मुसीबत नहीं हूँ, सबके लिए मुहब्बत हूँ।' चींटियों ने उनके लिए ईश्वर से दुआ की और सुलेमान अपनी मंजिल की ओर बढ़ गए।

(क) कुरआन में सुलेमान किन्हें कहा गया है?
- (i) बाइबिल के सोलोमन को
- (ii) हिंदू शास्त्रों के मनु को
- (iii) नूह को
- (iv) उपरोक्त में से कोई नहीं

(ख) 'गद्यांश में सुलेमान का समय कब बताया गया है?
- (i) ईसा से 1000 ई. पू.
- (ii) ईसा से 800 ई. पू.
- (iii) ईसा से 1025 ई. पू.
- (iv) ईसा से 1020 ई. पू

(ग) सुलेमान के लश्कर के घोड़ों की टापों से कौन डर गया?
- (i) पड़ोसी राज्य के लोग
- (ii) रास्ते की चींटियाँ
- (iii) रास्ते के पशु-पक्षी
- (iv) उपरोक्त में से कोई नहीं

(घ) गद्यांश के अनुसार, खुदा ने सबका रखवाला किसे बनाया है?
- (i) सुलेमान को
- (ii) मनुष्य को
- (iii) फरिश्ते को
- (iv) इनमें से कोई नहीं

(ङ) चींटियों ने सुलेमान के लिए ईश्वर से दुआ क्यों की?
- (i) सुलेमान की वीरता के कारण
- (ii) सुलेमान के भय के कारण
- (iii) सुलेमान की सहृदयता के कारण
- (iv) उपरोक्त में से कोई नहीं

2. बाइबिल और दूसरे पावन ग्रंथों में नूह नाम के एक पैगंबर का जिक्र मिलता है। उनका असली नाम लश्कर था, लेकिन अरब ने उनको नूह के लकब से याद किया है। वह इसलिए कि आप सारी उम्र रोते रहे। इसका कारण एक जख्मी कुत्ता था। नूह के सामने से एक बार एक घायल कुत्ता गुजरा। नूह ने उसे दुत्कारते हुए कहा, 'दूर हो जा गंदे कुत्ते!' इस्लाम में कुत्तों को गंदा समझा जाता है। कुत्ते ने उनकी दुत्कार सुनकर जवाब दिया ...'न मैं अपनी मर्जी से कुत्ता हूँ, न तुम अपनी पसंद से इंसान हो। बनाने वाला सबका तो वही एक है।'

मट्टी से मट्टी मिले, खो के सभी निशान।
किसमें कितना कौन है, कैसे हो पहचान।।

नूह ने जब उसकी बात सुनी और दु:खी हो मुद्दत तक रोते रहे। 'महाभारत' में युधिष्ठिर का जो अंत तक साथ निभाता नजर आता है, वह भी प्रतीकात्मक रूप में एक कुत्ता ही था। सब साथ छोड़ते गए तो केवल वही उनके एकांत को शांत कर रहा था।

(क) बाइबिल और दूसरे पावन ग्रंथों में किसका उल्लेख मिलता है?
- (i) सोलोमन नामक फरिश्ते का
- (ii) नूह नाम के एक पैगंबर का
- (iii) नूह के लकब का
- (iv) उपरोक्त में से कोई नहीं

(ख) नूह के मुद्दत तक रोने का क्या कारण था?
- (i) एक जख्मी कुत्ता
- (ii) एक जख्मी पक्षी
- (iii) एक जख्मी मानव
- (iv) एक फरिश्ता

(ग) इस्लाम में कुत्तों के बारे में क्या धारणा है?
- (i) उन्हें पवित्र माना जाता है
- (ii) उन्हें गंदा समझा जाता है
- (iii) कुत्तों से दूर रहना चाहिए
- (iv) उपरोक्त में से कोई नहीं

(घ) 'न मैं अपनी मर्जी से कुत्ता हूँ, न तुम अपनी पसंद से इंसान हो' कथन से क्या आशय है?
- (i) हर जीव में ईश्वर का निवास है
- (ii) प्रत्येक जीव को ईश्वर ने बनाया है
- (iii) कर्मों एवं आचरण से जीव की पहचान होती है
- (iv) उपरोक्त सभी

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(ङ) महाभारत में युधिष्ठिर का अंत तक साथ निभाने वाला कौन था?

(i) प्रतीकात्मक रूप में एक कुत्ता
(ii) उनके सगे-संबंधी
(iii) प्रतीकात्मक रूप में एक हंस
(iv) उपरोक्त में से कोई नहीं

3. दुनिया कैसे वजूद में आई? पहले क्या थी? किस बिंदु से इसकी यात्रा शुरू हुई? इन प्रश्नों के उत्तर विज्ञान अपनी तरह से देता है, धार्मिक ग्रंथ अपनी-अपनी तरह से। संसार की रचना भले ही कैसे हुई हो, लेकिन धरती किसी एक की नहीं है। पंछी, मानव, पशु, नदी, पर्वत, समंदर आदि की इसमें बराबर की हिस्सेदारी है। यह और बात है कि इस हिस्सेदारी में मानव जाति ने अपनी बुद्धि से बड़ी-बड़ी दीवारें खड़ी कर दी हैं। पहले पूरा संसार एक परिवार के समान था अब टुकड़ों में बँटकर एक-दूसरे से दूर हो चुका है। पहले बड़े-बड़े दालानों- आँगनों में सब मिल-जुलकर रहते थे, अब छोटे-छोटे डिब्बे जैसे घरों में जीवन सिमटने लगा है। मानव के धरती पर अधिकार जमाने के कारण संसार छोटे-छोटे टुकड़ों में बँट गया है।

(क) पृथ्वी को हिस्सों में बाँटने के पीछे कौन-सा कारण जिम्मेदार है?

(i) मनुष्य बुद्धि (ii) पशु बुद्धि
(iii) देवता (iv) ये सभी

(ख) धरती किसी एक की क्यों नहीं है?

(i) क्योंकि इस पर केवल मनुष्य का आधकार है
(ii) क्योंकि सभी जीव एकसमान नहीं हैं
(iii) क्योंकि धर्म ग्रंथ में इस बात का वर्णन किया गया है
(iv) क्योंकि इस पर प्रत्येक जीव का समान अधिकार है

(ग) धरती की हिस्सेदारी में दीवारें खड़ी करने का कार्य किसके द्वारा किया गया?

(i) मनुष्य ने अपनी बुद्धि द्वारा
(ii) ईश्वर ने मानव हेतु
(iii) संपूर्ण सृष्टि के संचालन के लिए देवताओं द्वारा
(iv) पशु-पक्षियों के विकास के लिए मनुष्य द्वारा

(घ) संसार के स्वरूप में परिवर्तन आने का क्या परिणाम हुआ?

(i) संसार परिवार के समान हो गया है
(ii) संसार टुकड़ों में बँट गया है
(iii) संसार का विकास यथोचित ढंग से हो रहा है
(iv) संसार से भेद-भाव समाप्त हो गया है

(ङ) मानव के धरती पर अधिकार जमाने से क्या हो गया है?

(i) संसार छोटे-छोटे टुकड़ों में बँट गया है
(ii) मानव आपस में लड़ने लगे हैं
(iii) संसार नष्ट होने की कगार पर है
(iv) उपरोक्त में से कोई नहीं

4. बढ़ती हुई आबादियों ने समंदर को पीछे सरकाना शुरू कर दिया है, पेड़ों को रास्तों से हटाना शुरू कर दिया है, फैलते हुए प्रदूषण ने पंछियों को बस्तियों से भगाना शुरू कर दिया है तथा बारूदों की विनाशलीलाओं ने वातावरण को सताना शुरू कर दिया। अब गरमी में ज्यादा गरमी, बेवक्त की बरसातें, जलजले, सैलाब, तूफ़ान और नित नए रोग, मानव और प्रकृति के इसी असंतुलन के परिणाम हैं। नेचर की सहनशक्ति की एक सीमा होती है। नेचर के गुस्से का एक नमूना कुछ साल पहले बंबई (मुंबई) में देखने को मिला था और यह नमूना इतना डरावना था कि बंबई निवासी डरकर अपने-अपने पूजा-स्थल में अपने खुदाओं से प्रार्थना करने लगे थे।

(क) बढ़ती हुई आबादी ने प्रकृति को किस प्रकार प्रभावित किया?

(i) पेड़ों को काटा
(ii) प्रदूषण के कारण पंछियों की प्रजातियों को नष्ट किया
(iii) समुद्र के किनारे बड़ी-बड़ी इमारतें बनाकर उसके स्वरूप को सीमित किया
(iv) उपरोक्त सभी

(ख) मानव और प्रकृति के बीच कैसा असंतुलन दिखाई दे रहा है?

(i) बिना मौसम बरसात का होना
(ii) नए रोगों का आगमन होना
(iii) प्राकृतिक आपदाओं का आना
(iv) उपरोक्त सभी

(ग) गद्यांश के अनुसार प्रकृति के बढ़ते असंतुलन का मुख्य कारण क्या है?

(i) बढ़ती हुई प्रजातियाँ
(ii) बढ़ती जनसंख्या
(iii) मौसम चक्र का असंतुलन
(iv) पशु-पक्षियों के पलायन

(घ) गद्यांश के अनुसार नेचर के गुस्से का एक नमूना कहाँ देखने को मिला था?

(i) बंबई (मुंबई) (ii) दिल्ली
(iii) राजस्थान (iv) लखनऊ

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(ङ) नेचर की सहनशक्ति समाप्त होने पर उसका कौन-सा रूप दिखाई देता है?
(i) कोमल रूप में (ii) तटस्थ रूप में
(iii) रौद्र रूप में (iv) शांत रूप में

5. वे दिन में कई-कई बार आते-जाते हैं और क्यों न आएँ-जाएँ आखिर उनका भी घर है। लेकिन उनके आने-जाने से हमें परेशानी भी होती है। वे कभी किसी चीज को गिराकर तोड़ देते हैं। कभी मेरी लाइब्रेरी में घुसकर कबीर या मिर्जा गालिब को सताने लगते हैं। इस रोज-रोज की परेशानी से तंग आकर मेरी पत्नी ने उस जगह जहाँ उनका आशियाना था, एक जाली लगा दी है, उनके बच्चों को दूसरी जगह कर दिया है। उनके आने की खिड़की को भी बंद किया जाने लगा है। खिड़की के बाहर अब दोनों कबूतर रात-भर खामोश और उदास बैठे रहते हैं।

(क) 'वे दिन में कई-कई बार आते-जाते हैं' इस कथन में लेखक किसकी तरफ संकेत कर रहा है?
(i) कबूतरों की ओर
(ii) अपने मित्रों की ओर
(iii) अपनी पत्नी की ओर
(iv) उपरोक्त में से कोई नहीं

(ख) लेखक के घर में कबूतर दिन में कई बार किस कारण आते थे?
(i) लेखक से घनिष्ठ प्रेम के कारण
(ii) अपने अंडों के कारण
(iii) लेखक की माता के स्नेह के कारण
(iv) अपने अधिकार के कारण

(ग) लेखक व उनकी पत्नी को कबूतरों का आना-जाना अच्छा क्यों नहीं लगता था?
(i) कबूतर उनका नुकसान करते थे
(ii) कबूतर के प्रति उनमें घृणा भाव था
(iii) वे कबूतर से डरते थे
(iv) उपरोक्त में से कोई नहीं

(घ) कबूतरों ने लेखक के लिए कौन-सी परेशानी खड़ी कर दी?
(i) पुस्तकालय की किताबें गंदी कर दीं
(ii) चीजें गिराकर तोड़ दीं
(iii) (i) और (ii) दोनों (iv) भोजन खा गए

(ङ) खिड़की पर जाली लग जाने के कारण अब दोनों कबूतर कहाँ बैठते हैं?
(i) घर के अंदर
(ii) घर की छत पर
(iii) खिड़की के बाहर
(iv) घर के बाहर एक पेड़ पर

अध्याय पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

1. सुलेमान की क्या विशेषता बताई गई है?
(क) वह मनुष्यों के दिल की बात समझ लेता था
(ख) वह एक बादशाह था
(ग) वह अनेक भाषाओं का विद्वान था
(घ) वह जीव-जंतुओं की भाषा समझता था

2. चींटियों को सुलेमान ने क्या कहकर धीरज बँधाया?
(क) मैं तुम्हें कुछ नहीं कहूँगा
(ख) मैं तुम्हारी रक्षा करूँगा
(ग) मैं मुसीबत नहीं मुहब्बत हूँ, रखवाला हूँ
(घ) मैं तुम्हें कुछ खाने को दूँगा

3. शेख अयाज किस भाषा में कविता की रचना करते थे?
(क) सिंधी में
(ख) हिंदी में
(ग) उर्दू में
(घ) अंग्रेजी में

4. शेख अयाज के पिता ने खाना खाते समय अपने बाजू पर क्या देखा?
(क) छोटा-सा जख्म (ख) एक च्योंटे को रेंगते हुए
(ग) तिलक का निशान (घ) रक्त बहता हुआ

5. लशकर को नूह के लकब से क्यों याद किया जाता है?
(क) वे बहुत परोपकारी थे
(ख) वे किसी की सहायता नहीं करते थे
(ग) वे जीवन भर रोते रहे
(घ) वे बहुत धनवान थे

6. लेखक के अनुसार इस धरती पर किसकी अधिक हिस्सेदारी है?
(क) मानव मात्र की
(ख) पशु जगत की
(ग) पक्षी की
(घ) धरती पर रहने वाले सभी प्राणियों की

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

7. मानव जाति ने अपनी बुद्धि से क्या किया है?
(क) प्रकृति का पोषण
(ख) प्रकृति और मानव के बीच बड़ी-बड़ी दीवारें खड़ी कर दीं
(ग) जीव-जंतुओं को बढ़ावा दिया
(घ) दुनिया के वजूद को सामने लाया

8. अब जीवन कैसे घरों में सिमटने लगा है?
(क) हवादार घरों में
(ख) डिब्बानुमा घरों में
(ग) विशाल आकार के घरों में
(घ) वातानुकूलित घरों में

9. बड़े-बड़े बिल्डर समंदर को पीछे क्यों धकेल रहे हैं?
(क) ताकि वे उसकी जमीन हथिया सकें
(ख) ताकि वे वहाँ से कचरा हटा सकें
(ग) ताकि वे प्रकृति के साथ एकाकार कर सकें
(घ) ताकि वे चिंता मुक्त जीवन जी सकें

10. प्रकृति मनुष्य को कब दंडित करती है?
(क) जब वह समुद्र को छेड़ता है
(ख) जब वह नई इमारत बनाता है
(ग) जब वह कोई कार्य नहीं करता है
(घ) जब वह प्रकृति से अधिक छेड़छाड़ करता है

11. लेखक की माँ ने रोजा क्यों रखा?
(क) रमजान के कारण
(ख) झूठ की माफी के कारण
(ग) कबूतर का अंडा टूट जाने के कारण
(घ) बिल्ली द्वारा रास्ता काट जाने के कारण

12. कबूतर परेशानी में इधर-उधर क्यों फड़फड़ा रहे थे?
(क) अत्यधिक भूख लगने के कारण
(ख) बहुत अधिक ठंड के कारण
(ग) दोनों अंडे टूट जाने के कारण
(घ) घोंसला न बनने के कारण

13. कबीर या मिर्जा को सताने से लेखक का क्या आशय है?
(क) कबीर और मिर्जा पर व्यंग्य करना
(ख) कबीर या मिर्जा द्वारा लिखी पुस्तकों पर बैठकर उन्हें गंदा करना
(ग) कबीर या मिर्जा से बेतुके प्रश्न करना
(घ) कबीर या मिर्जा को तंग करना

14. रोज-रोज की परेशानी से तंग आकर लेखक की पत्नी ने क्या किया?
(क) कबूतरों के आने-जाने के रास्ते को जाली से बंद कर दिया
(ख) कबूतरों के लिए नए पिंजरे का प्रबंध किया
(ग) कबूतरों के लिए दाने-पानी की उचित व्यवस्था की
(घ) कबूतरों को जान से मार दिया

15. पक्षी बस्तियों से क्यों चले गए?
(क) अपना आश्रय छिन जाने के कारण
(ख) प्रदूषण के कारण
(ग) पेड़ कटने के कारण
(घ) उपरोक्त सभी

उत्तरमाला

गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

1. क (i), ख (iii), ग (ii), घ (i), ङ (iii)
2. क (ii), ख (i), ग (ii), घ (iv), ङ (i)
3. क (i), ख (iv), ग (i), घ (ii), ङ (i)
4. क (iv), ख (iv), ग (ii), घ (i), ङ (iii)
5. क (i), ख (ii), ग (i), घ (iii), ङ (iii)

अध्याय पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (घ) 2. (ग) 3. (क) 4. (ख) 5. (ग) 6. (घ) 7. (ख) 8. (ख) 9. (क) 10. (घ)
11. (ग) 12. (ग) 13. (ख) 14. (क) 15. (घ)

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in